Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज

www.carpentersnews.com

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2022-24
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | मार्च 2024 | वर्ष : 19 | अंक : 04 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

21 मार्च को वर्ल्ड वुड डे.... पेज - 2

Since 1986
Suzu®
An ISO 9001:2015 Certified Company | Certified

37 Growing Years
INDIA'S 1ST STAINLESS STEEL SHACKLE Padlocks ...Series...
INDIA'S 1ST S.S HINGES MANUFACTURER Hinges ...Series...

GLORIOUS RANGE OF
PREMIUM HARDWARE & BATH FITTINGS
PRODUCTS

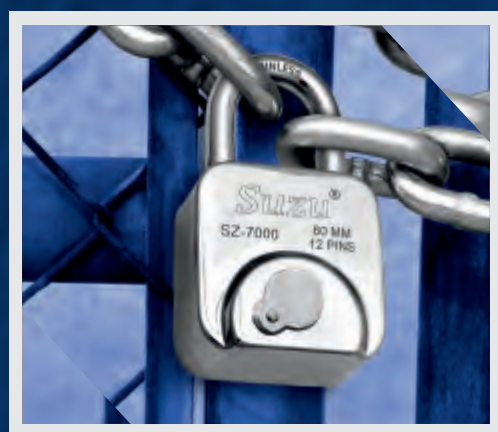

Elevate Your Home's Aesthetic with Excellence Door Hardware

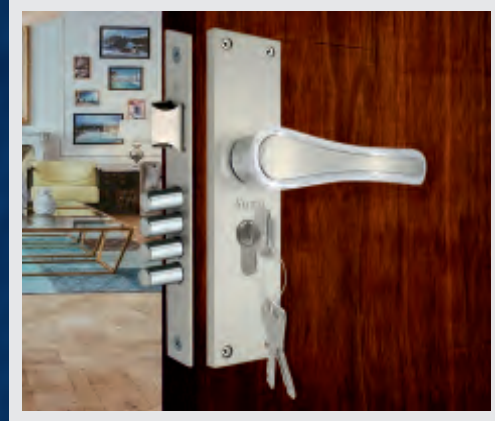

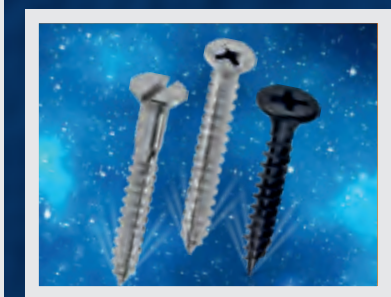

PROUDLY MADE IN INDIA

Manufacturer & Exporters of Hinges | Screws | Door Hardware | Locks | PTMT BATH FITTINGS

Padlocks | Butt Hinges | Aldrops | Screws | Door And Window Fittings | Cabinet Hinges | Door Closers | Mortise Handles | MPL Locks | Shutter Locks
Godown Locks | Main Door Locks | PTMT Taps | Toilet Seat Covers | ISI Flushing Cisterns, Mirror Cabinets | Bathroom Fittings | PTMT Accessories Etc.

www.suzusteel.com | www.suzu.in | Follow us on : +91-9811242777, +91-9911118272

विश्व लकड़ी दिवस : लकड़ी की उपयोगिता का उत्सव

मुंबई। हमारी जिंदगी और इस दुनिया में लकड़ी का जो महत्व है उसे हममें से अधिकतर लोग नहीं पहचानते। लकड़ी एक अत्यंत महत्वपूर्ण संसाधन है जिसके कई पर्यावरणीय और स्वास्थ्य लाभ हैं क्योंकि यह नवीकरणीय होती है और इसका कार्बन फुटप्रिंट भी कम होता है। विश्व स्तर पर प्रति वर्ष 21 मार्च को वर्ल्ड वुड डे मनाया जाता है। इस अवसर पर हमें इस बात पर गहराई से विचार करना चाहिए कि हमें इस अद्भुत प्राकृतिक संसाधन का खजाना क्यों संजोकर रखना चाहिए।

टिकाऊपन

लकड़ी के संदर्भ में इसका मतलब है कि जंगल हमारी भावी पीढ़ियों और यहां तक कि हमारे पोते-परपोते के आगे आने वाले समय में भी मौजूद होने चाहिए, ताकि वायुमंडल से कार्बन उत्सर्जन को अवशोषित कर सकें और आने वाले समय में हमारी वायु को स्वच्छ रखें एवं वन्यजीव के लिए स्वर्ग बना रहें। टिकाऊ लकड़ी टिकाऊ रूप से प्रबंधित जंगलों से आती है। यह नवीकरणीय है और यही कारण है कि वन प्रबंधन इस संसाधन के प्रति अल्पकालिक नहीं बल्कि दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाते हुए पारिस्थितिकी तंत्र, जलाशयों, वन्य जीवन और खुद पेड़ों को नुकसान से बचाने के लिए भू परिदृश्य का प्रबंधन करते हैं।

स्वास्थ्य

लकड़ियों से प्राप्त होने वाला प्राकृतिक सुख और आराम लोगों के रक्तचाप और हृदय गति को स्वस्थ बनाये रखता है। तनाव और चिंता कम करता है और सकारात्मक सामाजिक पारस्परिक व्यवहार को बेहतर बनाता है। कमरे में रखे गये लकड़ी के उत्पाद आर्द्रता को कम करके भीतर की वायु गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं। लकड़ी के कमरे और सामान के प्रभावों की जांच करने वाले अध्ययन स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करते हैं कि लकड़ी के सामीप्य के सकारात्मक शारीरिक और मनोवैज्ञानिक लाभ हैं जो बाहर प्रकृति के सानिध्य में समय बिताने जैसा प्रभाव देता है।

खूबसूरती

लकड़ी सहज रूप से इंटीरियर स्पेस को आकर्षक और आरामदेह बनाती है। वॉल फिनिशेज और सतहों पर लकड़ी का उपयोग इसके स्वरूप और बनावट को निखारता है, जो इसकी गहनता और आयाम के संवर्धन के लिए अत्यावश्यक है। लकड़ी की सुंदरता ऐसी है कि यह हमारी सभी इंद्रियों को सुख, सुकून और आराम पहुंचाती है। इसकी सतह में स्पर्श-योग्य और लुभावनी शक्ति होती है, जबकि लकड़ी के रंगों की रेंज और अलग-अलग दानों की गहराई आंखों को सुख देती है। डिजाइन और निर्माण में इसका उपयोग प्राकृतिक है, जब हम लकड़ी से कोई निर्माण कार्य करते हैं तो ये सभी इंद्रिय बोध वाले तत्व उसमें मौजूद होते हैं। लकड़ी आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों में समान रूप से संरचनाओं के लिए सर्वोत्तम स्वरूप, अहसास और क्रियाशीलता वाले स्थानों के निर्माण में मदद करती है।

> लकड़ी मनुष्य के लिए सार्वभौमिक रूप से सुंदर है। सभी सामग्रियों में से लकड़ी के साथ इंसान का रिश्ता सबसे घनिष्ठ है।
>
> **- फ्रैंक लॉयड राइट**
> **अमेरिकी आर्किटेक्ट, लेखक और शिक्षाविद**

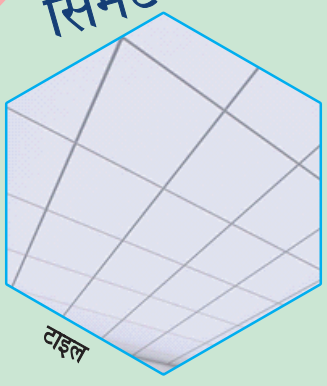

कैनेडियन वुड के कंट्री डायरेक्टर प्रणेश छिब्बर कहते हैं कि दुनिया भर के उपभोक्ता ग्लोबल वार्मिंग और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने को लेकर पर्यावरण के संरक्षण के प्रति जागरूक हो रहे हैं और लकड़ी के ऐसे उत्पादों की मांग कर रहे हैं जो लगातार प्रबंधित जंगलों से प्रमाणित लकड़ी से बने हों। कंपनियों ने भी लकड़ी के उत्पादों के निर्माण और बिक्री के क्रम में पर्यावरण के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करना शुरू कर दिया है। देर से ही सही, भारतीय लकड़ी उद्योग भी टिकाऊ स्रोतों से प्राप्त सामग्री के उपयोग की दिशा में बढ़ने लगा है। कैनेडियन वुड टिकाऊ तरीके से प्रबंधित जंगलों से कानून सम्मत रूप से कटाई किये गये और प्रामाणिक लकड़ी को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है। इसके लिए यह जागरूकता पैदा करता है और अपनी पांच विशिष्ट किस्मों, उनके गुणों एवं संभावित उपयोगों के बारे में वुडवर्किंग उद्योग को शिक्षित करता है। कैनेडियन वुड द्वारा प्रदत्त तकनीकी सहायता, मार्गदर्शन और सर्वोत्तम पद्धतियों को साझा किये जाने के चलते भारतीय वुडवर्किंग समुदाय इसके प्रति आकर्षित हो रहा है।

कारपेंटर्स न्यूज

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

होली के पावन पर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

संपर्क करें : Mo. 9320566633 / 7588951633 | Email: carpentersnews@gmail.com

हमें फॉलो करें : Facebook.com/carpentersnews | Telegram: https://t.me/carpenters_news

मुंबई | मार्च 2024 | वर्ष : 19 | अंक : 04 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

Godrej Vishesh लाभ Club

Godrej | KITCHEN FITTINGS AND SYSTEMS

SMART CONVENIENCE FOR THE INDIAN KITCHEN.

गोदरेज का नया ड्रॉअर चैनल (35 Kg)

बेहतर इंजीनियरिंग अब आ गयी है बेहतरीन मज़बूती के साथ

- मज़बूती के लिए BIFMA स्टैंडर्ड के अनुसार टेस्ट किया गया
- C.R.C.A. शीट से बना है जिससे यह लंबे समय तक चलता है
- पॉज़िटिव स्टॉप यह सुनिश्चित करता है कि पूरा खुलने के बाद भी ड्रॉअर नहीं गिरे

ज़िंक प्लेटिंग और ब्लैक पाउडर कोटेड फिनिशेज़ में उपलब्ध है

अधिक जानकारी के लिए हमें यहाँ पर मिस्ड कॉल दें 96100 05641

सनातन धर्म का न आदि है ना अंत - स्वामी हरि चैतन्य पुरी

गढ़ीनेगी। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज ने कहा कि सनातन धर्म का न तो आदि है और नहीं अंत, इसलिए इसे सत्य सनातन धर्म कहते हैं। सत्य का तात्पर्य जो त्रिकालाबाद है। जो था, है व रहेगा। जिसके बनने या बिगड़ने की तारीख पता लगे वे मत, पंत या संप्रदाय कहलाते हैं। हम सभी का सम्मान करते हैं लेकिन जिसके बनने या बिगड़ने की तारीख पता ना हो जो सृष्टि के आरंभ से पहले व प्रलय के बाद भी रहेगा वही सनातन है। हमारे वैज्ञानिक ऋषियों की महान देन है सनातन धर्म। सनातन संस्कृति ढकोसला नहीं विज्ञान सम्मत है जिसे विज्ञान की कसौटी पर खरा परखा जा सकता है। यदि यह कह दें कि सभी का प्रादुर्भाव सनातन से ही हुआ है तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी।

श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज को धर्म रक्षा, सेवा और समर्पण के लिए हिंदुत्व के आधारस्तंभ पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान काल सनातन के लिए स्वर्णिम काल है। हार्दिक प्रसन्नता का अनुभव होता है जब लोगों में सनातन के लिए पुनः आकर्षण पैदा होते हुए देखते हैं। हमारे पवित्र तीर्थ उपासना स्थलों संस्कृति के मूल सिद्धांतों को निरंतर बढ़ते हुए देखते हैं। बच्चे बच्चे के मन में श्रीराम, श्रीकृष्ण, मां जगदंबा, भगवान शिव, संतो-महापुरुषों, ऋषि, मुनियों, वीर अमर शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों सनातन की रक्षा के लिए सर्वस्व बलिदान करने वाले सिख पंथ के दस गुरुओं, स्वामी दयानंद, स्वामी विवेकानंद, जगतगुरु आदि शंकराचार्य, चैतन्य महाप्रभु, महावीर स्वामी इत्यादि के लिए जो भाव व श्रद्धा का सैलाब उमड़ते हुए देखते हैं तो हृदय में जो प्रसन्नता होती है, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि अधर्माचरण करने वाले कुमार्गगामी लोगों का संग त्याग कर, जितेंद्रिय, श्रेष्ठ महापुरुषों का संग व उनकी सेवा करके अपने जीवन को कल्याणमय बनाएं। क्योंकि सत्पुरुषों का आचरण व कार्य सदैव अनुकरणीय होता है। उन्होंने कहा कि सत्संग का प्रकाश हमारे अंतर्मन को प्रकाशित करता है और हमें भी उस ज्ञान रूपी प्रकाश को अपने अंतर मन में धारण कर परमपिता परमेश्वर को पाने का प्रयास करना चाहिए। जब तक सत्य का संग नहीं होगा सत्संग से भी कोई लाभ प्राप्त हो नहीं सकेगा। जिस प्रकार सूरज की किरणें हमें तब तक लाभ नहीं पहुंचा सकती जब तक कि हमारे घरों की खिड़की दरवाजे बंद रहेंगे। ठीक उसी प्रकार हम गुरु व परमात्मा की कृपा के अधिकारी तभी बन सकते हैं जबकि हम उनके द्वारा दिए गए ज्ञान रूपी प्रकाश को अपने अंतर्मन में उतारेंगे। अपने धारा प्रवाह प्रवचनों से उन्होंने सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध व भाव विभोर कर दिया। सारा वातावरण भक्तिमय हो उठा व श्री गुरु महाराज कामां के कन्हैया व लाठी वाले भैया की जय जयकार से गूंज उठा।

कामाख्या मंदिर

शक्तिपीठों का महापीठ

गुवाहाटी। असम की राजधानी दिसपुर के पास गुवाहाटी से करीब 8 किलोमीटर दूर कामाख्या मंदिर की कॉरिडोर योजना का स्थानीय निवासियों के अलावा आने वाले श्रद्धालु भी इंतजार कर रहे हैं। ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे नीलांचल पर्वत पर स्थित कामाख्या मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। कामाख्या मंदिर को सभी शक्तिपीठों का महापीठ माना जाता है। इस मंदिर में देवी दुर्गा की कोई मूर्ति नहीं है बल्कि मंदिर में एक कुंड बना है जो की हमेशा फूलों से ढका रहता है। कामाख्या देवी का मंदिर अघोरियों और तांत्रिकों का गढ़ माना जाता है।

अयोध्या में 22 जनवरी को श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा के भव्य आयोजन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी के वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में मां कामाख्या मंदिर कॉरिडोर प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया था। इसे महाकाल और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तरह 498 करोड़ रुपए खर्च कर डेवलप किया जाएगा। इसे कामाख्या दिव्य लोक परियोजना का नाम दिया गया है। कामाख्या मंदिर गलियारा में कामाख्या देवी मंदिर के अलावा मातंगी, कमला, त्रिपुर सुंदरी, काली, तारा, भुवनेश्वरी, बगलामुखी, छिन्नमस्तिका, भैरवी, धूमावती देवियों और दस महाविद्या के मंदिर के साथ भगवान शिव के पांच मंदिर कामेश्वर, सिद्धेश्वर, केदारेश्वर, अमर तोकेश्वर, अघोरा और कौटिलिंग मंदिर को शामिल किया गया है। कॉरिडोर के निर्माण के बाद मंदिर के चारों ओर ओपन स्पेस वर्तमान में 3000 वर्ग फुट से बढ़कर लगभग 100,000 वर्ग फुट हो जाएगा. एक्सेस कॉरिडोर की औसत चौड़ाई इसकी वर्तमान चौड़ाई 8-10 फीट से बढ़कर लगभग 27-30 फीट हो जाएगी। कामाख्या देवालय दोलोई प्रमुख कविंद्र प्रसाद शर्मा ने बताया कि कामाख्या मंदिर कॉरिडोर बन जाने से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मंदिर में प्रतिदिन करीब 5 हजार भक्त दर्शन करते हैं जबकि अन्य त्योहारों पर भक्तों की संख्या बढ़ जाती हैं। कामाख्या मंदिर कॉरिडोर के बाद अधिक संख्या में श्रद्धालु दर्शन कर पाएंगे। इस मंदिर में 500 कर्मचारी कार्यरत हैं। मंदिर सुबह 6 बजे खुलता है और सूर्यास्त के बाद दर्शन बंद कर दिया जाता है। मंदिर की ओर से श्रद्धालुओं के लिए दोपहर में निःशुल्क भोजन प्रसाद की व्यवस्था है। मंदिर की ओर से श्रद्धालुओं के लिए अस्पताल, लॉकर आदि की भी सुविधाएं हैं।

जायका इंडिया का : मसाला आलू

सामग्री – आलू 7-8, जीरा 1 टीस्पून, लाल मिर्च पाउडर 1 टीस्पून, धनिया पाउडर 2 टीस्पून, अमचूर 1 टीस्पून, हल्दी पाउडर 3/4 टी स्पून, हरा धनिया कटा 1 टेबलस्पून, तेल, नमक

विधि – मसाला आलू बनाने के लिए सबसे पहले आलू को लें और उन्हें अच्छी तरह से धोकर उसके छिलके उतार लें। इसके बाद आलू के चारों ओर छेद कर दें। इसके लिए चम्मच के कांटे या टूथपिक की मदद लिया जा सकता है। अब एक बर्तन में नमक का पानी लें और उसमें आलूओं को डुबोकर रख दें। आलू कम से कम 20 मिनट तक पानी में डुबोएं रखें जिससे आलू में अच्छी तरह से नमक उतर जाए। अब एक कड़ाही लें और मीडियम आंच पर गर्म करने के लिए रख दें। इसमें थोड़ा सा तेल डाल दें। जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें जीरा डालकर चटकने दें। जीरा चटकते ही इसमें हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और अमचूर डालकर सभी को करछी की मदद से मिक्स कर दें। इसके साथ ही इसमें थोड़ा सा पानी भी मिला दें। जब मसाला तेल छोड़ने लग जाए तो नमक के पानी से आलू निकालकर उसे मसाले में डाल दें। अब इसे कम से कम 5 मिनट तक भून लें। अब सब्जी में पानी और स्वादानुसार थोड़ा सा नमक और मिलाएं और पकने दें। ध्यान रहे की आलू को तब तक पकाना है जब तक कि वो अच्छी तरह से मुलायम न हो जाए। इसके बाद गैस की आंच बंद कर दें। स्वादिष्ट मसाला आलू की सब्जी बनकर तैयार है। इसे सर्व करने से पहले हरा धनिया से गार्निश करें और रोटी या पराठे के साथ सर्व करें।

गंगातीरी गाय के गोबर से बनाया जा रहा पेंट, अगरबत्ती और धूप

वाराणसी। गंगातीरी गाय उत्तर प्रदेश और बिहार की शान है। इस गाय की नस्ल उत्पत्ति गंगा के किनारे वाले प्रदेशों में मानी जाती है। उत्तर प्रदेश के बलिया, गाजीपुर व बिहार के रोहतास और शाहबाद जिले इसके उद्गम स्थल हैं।

गंगातीरी गाय को अच्छी दूध देने वाली मानी जाती हैं। गंगातीरी गाय आमतौर पर प्रतिदिन 8-16 लीटर तक दूध देती हैं। इसके दूध में फैट लगभग 4.9 प्रतिशत होता है। जो 4.1 से 5.2 प्रतिशत तक भी हो सकता है। गंगातीरी गाय की नस्ल लुप्त होने की कगार पर है। वाराणसी के गौशालाओं में इनका संरक्षण किया जा रहा है।

गंगातीरी गाय के संरक्षण व संवर्धन के लिए अडानी फाउंडेशन ने सेवापुरी ब्लॉक के खादी ग्रामोद्योग परिसर में गाय के गोबर से अगरबत्ती और धूप बनाने का उपक्रम शुरू किया है। इससे जहां गंगातीरी गायों का संरक्षण हो रहा है वहीं महिलाओं को रोजगार के नए अवसर भी मिल रहे हैं। सेवापुरी से करीब 14 किमी की दूरी पर रामेश्वर में गंगातीरी गाय को संरक्षण के लिए गौशाला का निर्माण किया गया है। अडानी फाउंडेशन इस गौशाला से गोबर मंगाती है जिसे डी वाटरिंग करने के बाद सुखाया जाता है। गोबर को सूखने के बाद इसे मशीनों में पीस कर पाउडर बनाया जाता है फिर लेई बनाकर इसे मशीनों से अगरबत्ती,धूप बनाया जाता है। अडानी फाउंडेशन की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी हेड ऊषा मिश्रा ने बताया कि इस केंद्र की शुरूआत 2022 में हुई थी। गाय के गोबर से बनने वाली अगरबत्ती व धूप में 52 प्रकार की जड़ी बूटी मिलाई जाती है। इस केंद्र में गंगातीरी प्रीमियम अगरबत्ती,धूप और नारी शक्ति के नाम से अगरबत्ती बनाई जाती है। मिश्रा ने बताया कि धूप और अगरबत्ती में मिलाई जाने वाली जड़ी बूटी हवन सामग्री होती है जो घर के वातावरण को शुद्ध बनाती है और इससे सांस लेने में कोई नुकसान नहीं होती है। यहां से बने उत्पादों को अहमदाबाद स्थित अदानी कॉरपोरेट हाउस में भेजा जाता है। उन्होंने कहा कि हम इन उत्पादों को बाजार में भी उतारने की तैयारी कर रहे हैं। केंद्र के सेंटर इंचार्ज व ट्रेनर अनुज श्रीवास्तव ने बताया कि अगरबत्ती व धूप बनाने में अभी प्रतिदिन करीब 30 किलोग्राम गोबर की जरूरत पड़ रही है लेकिन कुछ समय में 20 गुना उत्पादन बढ़ जायेगा। इस केंद्र में महिलाओं को अगरबत्ती बनाने का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। सेवापुरी के खादी ग्रामोद्योग विद्यालय प्रांगण में गोबर से प्राकृतिक पेंट वाले प्लांट की भी शुरूआत हो गई है। काशी प्रेरणा पेंट के नाम से बनने वाले इस पेंट के निर्माण में 20 प्रतिशत गोबर और 80 प्रतिशत केमिकल का उपयोग होता है। इससे पशुपालकों को गोबर बेचने का विकल्प भी मिलेगा।

सच्चे जननायक कर्पूरी ठाकुर

हमारे जीवन पर कई लोगों के व्यक्तित्व का प्रभाव रहता है। जिन लोगों से हम मिलते हैं, जिनके संपर्क में रहते हैं, उनकी बातों का प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। कुछ ऐसे व्यक्ति भी होते हैं जिनके बारे में सुनकर ही आप उनसे प्रभावित हो जाते हैं। मेरे लिए ऐसे ही रहे हैं जननायक कर्पूरी ठाकुर। मुझे कर्पूरी जी से कभी मिलने का अवसर तो नहीं मिला, लेकिन उनके साथ बेहद करीब से काम करने वाले कैलाशपति मिश्र से मैंने उनके बारे में बहुत कुछ सुना है। सामाजिक न्याय के लिए कर्पूरी बाबू ने जो प्रयास किए, उससे करोड़ों लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव आया। उनका संबंध नाई समाज, यानी समाज के अति पिछड़े वर्ग से था। अनेक चुनौतियों को पार करते हुए उन्होंने कई उपलब्धियों को हासिल किया और जीवन भर समाज के उत्थान के लिए काम करते रहे। जननायक कर्पूरी ठाकुर जी का पूरा जीवन सादगी और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा। वे अपनी अंतिम सांस तक सरल जीवनशैली और विनम्र स्वभाव के चलते आम लोगों से गहराई से जुड़े रहे। उनसे जुड़े ऐसे कई किस्से हैं, जो उनकी सादगी की मिसाल हैं।

उनके साथ काम करने वाले लोग याद करते हैं कि कैसे वे इस बात पर जोर देते थे कि उनके किसी भी व्यक्तिगत कार्य में सरकार का एक पैसा भी इस्तेमाल ना हो। ऐसा ही एक वाकया बिहार में उनके सीएम रहने के दौरान हुआ। तब राज्य के नेताओं के लिए एक कॉलोनी बनाने का निर्णय हुआ था, लेकिन उन्होंने अपने लिए कोई जमीन नहीं ली। जब भी उनसे पूछा जाता कि आप जमीन क्यों नहीं ले रहे हैं, तो वे बस विनम्रता से हाथ जोड़ लेते। 1988 में जब उनका निधन हुआ तो कई नेता श्रद्धांजलि देने उनके गांव गए। कर्पूरी जी के घर की हालत देखकर उनकी आंखों में आंसू आ गए कि इतने ऊंचे पद पर रहे व्यक्ति का घर इतना साधारण कैसे हो सकता है। कर्पूरी बाबू की सादगी का एक और लोकप्रिय किस्सा 1977 का है, जब वे बिहार के सीएम बने थे। तब केंद्र और बिहार में जनता सरकार सत्ता में थी। उस समय जनता पार्टी के नेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण के जन्मदिन के लिए कई नेता पटना में इकट्ठा हुए। इसमें शामिल मुख्यमंत्री कर्पूरी बाबू का कुर्ता फटा हुआ था। ऐसे में चंद्रशेखर ने अपने अनूठे अंदाज में लोगों से कुछ पैसे दान करने की अपील की, ताकि कर्पूरी जी नया कुर्ता खरीद सकें। लेकिन कर्पूरी जी तो कर्पूरी जी थे। उन्होंने इसमें भी एक मिसाल कायम कर दी। उन्होंने पैसा तो स्वीकार कर लिया, लेकिन उसे मुख्यमंत्री राहत कोष में दान कर दिया। सामाजिक न्याय तो जननायक कर्पूरी ठाकुर के मन में रचा-बसा था। उनके राजनीतिक जीवन को एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रयासों के लिए जाना जाता है, जहां सभी लोगों तक संसाधनों का समान रूप से वितरण हो और सामाजिक हैसियत की परवाह किए बिना उन्हें अवसरों का लाभ मिले। उनके प्रयासों का उद्देश्य भारतीय समाज में पैठ बना चुकी कई असमानताओं को दूर करना भी था।

अपने आदर्शों के लिए कर्पूरी ठाकुर जी की प्रतिबद्धता ऐसी थी कि उस कालखंड में भी जब सब ओर कांग्रेस का राज था, उन्होंने कांग्रेस विरोधी लाइन पर चलने का फैसला किया। क्योंकि उन्हें काफी पहले ही इस बात का अंदाजा हो गया था कि कांग्रेस अपने बुनियादी सिद्धांतों से भटक गई है। कर्पूरी ठाकुर की चुनावी यात्रा 1950 के दशक के प्रारंभिक वर्षों में शुरू हुई और यहीं से वे राज्य के सदन में एक ताकतवर नेता के रूप में उभरे। वे श्रमिक वर्ग, मजदूर, छोटे किसान और युवाओं के संघर्ष की सशक्त आवाज बने। शिक्षा एक ऐसा विषय था, जो कर्पूरी जी के हृदय के सबसे करीब था। उन्होंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में गरीबों को शिक्षा मुहैया कराने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। वे स्थानीय भाषाओं में शिक्षा देने के बहुत बड़े पैरोकार थे, ताकि गांव और छोटे शहरों के लोग भी अच्छी शिक्षा प्राप्त करें और सफलता की सीढ़ियां चढ़ें। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने बुजुर्ग नागरिकों

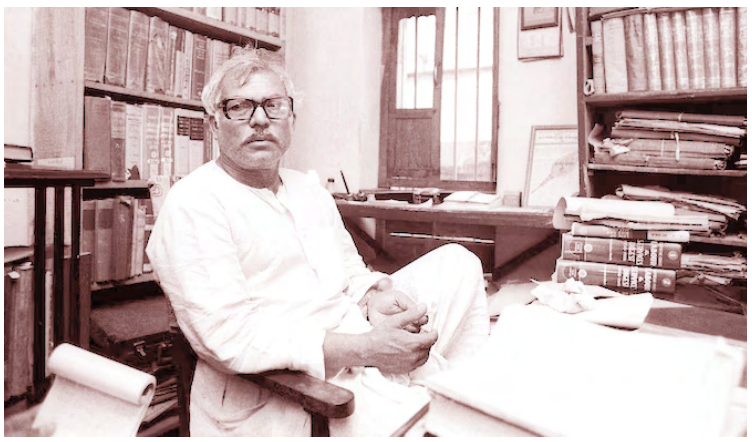

के कल्याण के लिए भी कई अहम कदम उठाए।

Democracy, Debate और Discussion तो कर्पूरी जी के व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा था। लोकतंत्र के लिए उनका समर्पण भाव, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान ही दिख गया था, जिसमें उन्होंने अपने-आप को झोंक दिया। उन्होंने देश पर जबरन थोपे गए आपातकाल का भी पुरजोर विरोध किया था। जेपी, डॉ. लोहिया और चरण सिंह जैसी विभूतियां भी उनसे काफी प्रभावित हुई थीं। समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने के लिए जननायक कर्पूरी ठाकुर ने एक ठोस कार्य योजना बनाई थी। यह सही तरीके से आगे बढ़े, इसके लिए पूरा एक तंत्र तैयार किया था। यह उनके सबसे प्रमुख योगदानों में से एक है। उन्हें उम्मीद थी कि एक ना एक दिन इन वर्गों को भी वो प्रतिनिधित्व और अवसर जरूर दिए जाएंगे, जिनके वे हकदार थे। हालांकि उनके इस कदम का काफी विरोध हुआ, लेकिन वे किसी भी दबाव के आगे झुके नहीं। उनके नेतृत्व में ऐसी नीतियों को लागू किया गया, जिनसे एक ऐसे समावेशी समाज की मजबूत नींव पड़ी, जहां किसी के जन्म से उसके भाग्य का निर्धारण नहीं होता हो। वे समाज के सबसे पिछड़े वर्ग से थे, लेकिन काम उन्होंने सभी वर्गों के लिए किया। उनमें किसी के प्रति रत्ती भर भी कड़वाहट नहीं थी और यही तो उन्हें महानता की श्रेणी में ले आता है। हमारी सरकार निरंतर जननायक कर्पूरी ठाकुर जी से प्रेरणा लेते हुए काम कर रही है। यह हमारी नीति और योजनाओं में भी दिखाई देता है, जिससे देशभर में सकारात्मक बदलाव आया है। भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी त्रासदी यह रही थी कि कर्पूरी जी जैसे कुछ नेताओं को छोड़कर सामाजिक न्याय की बात बस एक राजनीतिक नारा बनकर रह गई थी। कर्पूरी जी के विजन से प्रेरित होकर हमने इसे एक प्रभावी गवर्नेंस मॉडल के रूप में लागू किया। मैं विश्वास और गर्व के साथ कह सकता हूं कि भारत के 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने की उपलब्धि पर आज जननायक कर्पूरी जी जरूर गौरवान्वित होते। गरीबी से बाहर निकलने वालों में समाज के सबसे पिछड़े तबके के लोग सबसे ज्यादा है, जो आजादी के 70 साल बाद भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे। हम आज सैचुरेशन के लिए प्रयास कर रहे हैं, ताकि प्रत्येक योजना का लाभ, शत प्रतिशत लाभार्थियों को मिले। इस दिशा में हमारे प्रयास सामाजिक न्याय के प्रति सरकार के संकल्प को दिखाते हैं। आज जब मुद्रा लोन से OBC, SC और ST समुदाय के लोग उद्यमी बन रहे हैं, तो यह कर्पूरी ठाकुर जी के आर्थिक स्वतंत्रता के सपनों को पूरा कर रहा है। इसी तरह यह हमारी सरकार है, जिसने SC, ST और OBC Reservation का दायरा बढ़ाया है। हमें ओबीसी आयोग की स्थापना करने का भी अवसर प्राप्त हुआ, जो कि कर्पूरी जी के दिखाए रास्ते पर काम कर रहा है। कुछ समय पहले शुरू की गई पीएम-विश्वकर्मा योजना भी देश में ओबीसी समुदाय के करोड़ों लोगों के लिए समृद्धि के नए रास्ते बनाएगी। पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखने वाले एक व्यक्ति के रूप में मुझे जननायक कर्पूरी ठाकुर जी के जीवन से बहुत कुछ सीखने को मिला है। मेरे जैसे अनेक लोगों के जीवन में कर्पूरी बाबू का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष योगदान रहा है। इसके लिए मैं उनका सदैव आभारी रहूंगा। दुर्भाग्य से, हमने कर्पूरी ठाकुर को 64 वर्ष की आयु में ही खो दिया। हमने उन्हें तब खोया, जब देश को उनकी सबसे अधिक जरूरत थी। आज भले ही वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन जन-कल्याण के अपने कार्यों की वजह से करोड़ों देशवासियों के दिल और दिमाग में जीवित हैं। वे एक सच्चे जननायक थे।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ब्लॉग से

विश्व विरासत धरोहर नालंदा

बिहार के नालंदा महाविहार (नालंदा विश्वविद्यालय) पुरातात्विक स्थल को 2016 में यूनेस्को ने विश्व विरासत धरोहर घोषित किया। विश्व विरासत की मान्यता मिलना गर्व का विषय है क्योंकि इससे हमारी पौराणिक विरासत की वैश्विक पहचान को मजबूती मिलती है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन एवं रोजगार के अवसर बढ़ते हैं, स्थानीय अर्थव्यवस्था लाभान्वित होती है। विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे का निर्माण होता है। यही वजह है कि जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान नालंदा की पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक नेताओं का स्वागत अभिनंदन कर विश्व समुदाय को इससे अवगत कराया। नालंदा शिक्षा का एक प्राचीन स्थान था। यह चौथी शताब्दी में स्थापित दुनिया का सबसे पुराना विश्वविद्यालय था। यह जगह शिक्षा और चरित्र निर्माण के लिए प्रसिद्ध रहा। लाल ईंटों से बने महाविहार को वास्तुशिल्प की उत्कृष्ट कृति माना जाता था। इस प्राचीन नालंदा महाविहार के खंडहर 14 हेक्टेयर के क्षेत्र में फैले हुए हैं। भारतीय इतिहास, विरासत और सभ्यता का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे नालंदा के कारण ही हमें पता चलता है कि यात्री चीन, कोरिया, जापान, तिब्बत, मंगोलिया, तुर्की, श्रीलंका और दक्षिण पूर्व एशिया से आए थे। नालंदा विश्वविद्यालय में विद्वान चीन और थाईलैंड से आते थे। चीनी विद्वान ह्वेनसांग 7 वीं शताब्दी में यहां अध्ययन के लिए आए थे। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय के बारे में विस्तार से लिखा है। भारत के विश्व धरोहर स्थलों की संख्या 42 हो गई है, जिससे भारत यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में सर्वाधिक स्थलों की संख्या के मामले में छठे स्थान पर आ गया है।

50
YEARS OF
TRUST
Link
'आपका भरोसा
हमारी पहचान'
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
टोल फ्री नंबर : 1800-547-4559
support@linklocks.com
www.linklocks.com
amazon
meesho
blinkit
moglix

Mahacol
SINCE 1971

NIKHIL
ADHESIVES LTD.

HAPPY HOLI

महाकोल परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं!

HARRISON

हरीसन की होली सुरक्षा के संग

जीतो आकर्षक उपहार
सुविधा स्कीम के तहत कारपेंटर भाईओ के लिए आकर्षक स्कीम
आज ही रजिस्टर करें और पाएं मौका अनेको उपहार जीतने का

नॉट:- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि।

टोल फ्री नम्बर : 1-800-572-5795

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
www.harrisonlocks.com | email : Info@harrisonlocks.com

9355015108

हरीसन सुविधा स्कीम

कारपेंटर

भाईओ के लिए
आकर्षक स्कीम आज ही
रजिस्टर
करें और पाएं मौका अनेको
उपहार
जीतने का

नॉट:- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि।

बनो हरीसन का
Mr. आनंद
और रहो हमेशा आनंद में

मैं Mr. आनंद
हरीसन (Service Provider)

जब फायदे से हो प्यार तो फिर क्यों इंतज़ार
आज ही जुड़ें हरीसन Suvidha Locks & Hardware Solutions के साथ और

पाये अनेको उपहार

उपहार जितने की प्रक्रिया

स्टेप 1 मोबाइल मे हरीसन सुविधा एप्लीकेशन डाउनलोड करे, और अपनी ID बनाकर लॉगिन करे।

स्टेप 2 प्रोडक्ट पैक के अंदर लगे QR CODE को सुविधा एप्लीकेशन मे स्कैन करे और MRP के बराबर पॉइंट इकट्ठा करे।

स्टेप 3 दिये गये 7 उपहार के आधार पर अपने पॉइंट REDEEM करे, और उपहार जीते

चेयरमैन क्लब कारपेंटर

हरीसन का Mr. आनंद मुख्य सेवा प्रदाता (Service Provider)

Mr. आनंद बनते ही पाएं अपने क्षेत्र के सारे कारपेंटर सम्बंधित कार्य सबसे पहले

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
+91 9355015108

Suvidha
iSoftCare Technology

प्ले स्टोर पर (HARRISON SUVIDHA APP) सर्च कर के हरीसन लोगो एप्लीकेशन अपने फ़ोन मे इनस्टॉल करे।

www.harrisonlocks.com | Find Us On :

Toll Free No. :1-800-572-5795

आमची मुंबई में Zubaan Ke पक्के ReWards

ज्योति रेजिंस एंड एडहेसिव लि. के लोकप्रिय ब्रांड यूरो 7000 एडहेसिव को भारतीय फर्नीचर इंडस्ट्रीज में श्रेष्ठ गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान में सफलता के बाद, अब यूरो 7000 अपना कारपेंटर लॉयल्टी प्रोग्राम - "**जुबान के पक्के रिवॉर्ड**" महाराष्ट्र में लॉन्च कर रहा है। सालों से, ब्रांड कारपेंटर्स और कॉन्ट्रैक्टर्स के बीच एक पक्का जोड़ बना रहा है और आगे जाकर ये लॉयल्टी प्रोग्राम, यूरो 7000 का नाम पूरे महाराष्ट्र में भी प्रसिद्ध करेगा। अब आपकी विशेष एडहेसिव रेंज और कारपेंटर समुदाय के विश्वास के साथ, यूरो 7000 पूरे भारतवर्ष का भरोसा जीत रहा है।

70 POINTS IN ONE DRUM

Cutter Machine

OR

Drill Machine

OR

₹15/-

Token/Pouch

\+

1 American Tourister Duffle Bag

140 POINTS IN ONE DRUM

Cutter Machine

OR

Drill Machine

OR

₹25/-

Token/Pouch

\+

2 American Tourister Duffle Bags

800 GM POUCH

Cutter Machine + 1 POINT/POUCH

OR

Drill Machine + 1 POINT/POUCH

OR

₹15/-

TOKEN/POUCH + 1 POINT

SCAN KIJIYE

GET IT ON Google Play

800 GM POUCH

Cutter Machine + 2 POINTS/POUCH

OR

Drill Machine + 2 POINTS/POUCH

OR

₹25/-

TOKEN/POUCH + 2 POINTS

Available on the App Store

Excellence in Security Hardware and Locking Solutions Award 2023

FROM THE DESK OF C.E.O.

Suzu Steel (India) is one of the leading Companies of India who pioneered in manufacturing of Locks & Door hardware Fittings. Suzu brand was established in 1986 under the guidance of Mr. Sushil Bansal and Mr. Brijbhushan Bansal from Rohtak (Haryana). The company has made tremendous progress in terms of adding manufacturing plants as well as penetrating market all over India. We are proud to see that Mr. Animesh Bansal, Director & Mr. Sachin Bansal, Director both are very progressive and positive about the future of SUZU brand in India. Their guiding force during last few years, company has developed more than 400 direct distributors and wholesalers catering to every corner of India and more than 20000 retailers where SUZU is providing quality products services. We are doing well into the Government , Builders & institutions sectors. During last 3-4 years company has expanded in various ranges in exports all over the world.

SUZU means Quality and appreciated in trade, Institutionals, Government Departments & International Client.

We are continuously improving our Quality, Services and multiplying our network worldwide.

We are aiming to give our presence within Top 4 Hardware brands of India in next 5 years time.

We sincerely thank all our clients, trade partners & consumers for patronizing SUZU brands for their needs of locks & door hardware items.

तापड़िया टूल्स ने लिया पॉवरटूलेक्स एक्सपो 2024 में भाग

कोलकाता। तापड़िया टूल्स ने पॉवरटूलेक्स एक्सपो में 15 से 17 मार्च को बिस्वा बांग्ला मेला प्रांगण के सामने, साइंस सिटी, कोलकाता में भाग लिया। तापड़िया टूल्स के प्रबंध निदेशक डी.पी. तापड़िया टूल्स उत्पादों के तकनीकी पहलुओं पर प्रश्नों के उत्तर देने के लिए कोलकाता में पॉवरटूलेक्स एक्सपो प्रदर्शनी में उपस्थित रहे। जिससे उद्योग जगत के लोगों, अन्वेषकों और उत्साही लोगों को तापड़िया टूल्स के नवीनतम टूल्स को देखने का अवसर मिला। तापड़िया टूल्स ने अपने नवीनतम माइक्रो ज्वेलरी प्लायर्स, वायर रोप कटर, प्लम्बर टूल किट, एब्रेसिव लेटेक्स पेपर, वेल्क्रो डिस्क - गोल्ड सीरीज, टाइल कटर ब्लेड्स, चॉक लाइन रील सेट, टी-सॉकेट, रिंच, हाइड्रोलिक ट्रॉली जैक और जैक स्टैंड, ग्रीस गन बैरल, वीडीई प्लायर्स, बाई-मेटल होल सॉ, टॉर्क रिंच और विभिन्न प्रकार के नॉन -स्पार्किंग बेरिलियम कॉपर और एल्यूमीनियम उत्पाद आदि इस एक्सपो में प्रदर्शित किए गए। प्रतिभागियों की उत्साही भागीदारी और उत्कृष्ट प्रतिक्रिया से क्षेत्र में तापड़िया टूल्स की नेतृत्व स्थिति को बल मिला। मेसर्स ओरिएंट एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड देश भर में तापड़िया की हैंड टूल्स की रेंज के उल्लेखनीय विपणन और वितरण में सुधार करने के लिए तैयार है। तापड़िया टूल्स के प्रबंध निदेशक डी. पी. तापड़िया ने कहा कि हम पॉवरटूलेक्स एक्सपो में अपनी नवीनतम उन्नत हैंड टूल्स रेंज दिखाने के लिए उत्साहित हैं। अनुसंधान, विकास और ग्राहक केंद्रित समाधानों ने हमें विशेष स्थान दिया है और इस सेगमेंट में हमें सबसे आगे रखा है। तापड़िया टूल्स लिमिटेड के महाप्रबंधक बी. पिल्लई ने कहा कि ग्राहक हमारे व्यवसाय को चलाते हैं। हमारा ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण हमारे ग्राहकों को असाधारण मूल्य और अनुभव प्रदान करता है। महत्वपूर्ण बाजार अनुसंधान और मूल्यवान उपभोक्ता इनपुट हमें नए उन्नत हैंड टूल्स लांच करने में सक्षम बनाते हैं जो ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करते है। यह वास्तव में विभिन्न उद्योगों के लिए भविष्य की हाथ उपकरण आवश्यकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए एक आदर्श मंच है। तापड़िया टूल्स और उनके नवीन उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला के बारे में अधिक जानने के लिए tapariatools.com पर जाएं या 022 - 6147 8646 पर संपर्क किया जा सकता है।

विश्वकर्मा मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा

जम्मू। सांबा जिले की बड़ीब्रह्मणा में नवनिर्मित विश्वकर्मा मंदिर में मूर्ति स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन 19 से 21 फरवरी के बीच हुआ। बड़ीब्रह्मणा कस्बे के वार्ड नं 6 में स्थित इस मंदिर का निर्माण 2004 में शुरू हुआ था।

प्राण प्रतिष्ठा के भव्य आयोजन के बाद विशाल भंडारा आयोजित की गई, जिसमें हजारों के संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस मंदिर के निर्माण में पंजु राम सुंबरिया व साईं दास सुंबरिया ने 8 मरले जमीन दी है। विश्वकर्मा मंदिर निर्माण में करीब 40 लाख रुपए खर्च हुए। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रदेश विश्वकर्मा सभा के उपप्रधान राज चलोत्रा व जिला प्रधान जोगिंदर पाल शामिल हुए। कार्यक्रम आयोजकों में सुभाष चंद्र सजगोत्रा, मोहनलाल सुंबरीया, सुभाषचंद्र सुंबरीया, चमणलाल रैना, पुरुषोत्तम कुमार, भूषण कुमार, पवन गांधी, धनीराम मल्होत्रा, विनोद गांधी, रमेश चंद्र, रामलाल, कुलदीप कुमार, रशपाल वर्मा, मिल्खी राम सुंबरिया आदि प्रमुख रहे।

रामगोपाल सुथार विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष मनोनीत

जयपुर। राजस्थान सरकार ने श्रीडूंगरगढ़ पूर्व देहात जिलाध्यक्ष रामगोपाल सुथार को

विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड का अध्यक्ष मनोनीत किया है। रामगोपाल सुथार ने पार्टी और समर्थकों को धन्यवाद दिया और पार्टी हित में कार्य करने को ही प्राथमिकता बताया। उन्होंने राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व सहित मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रति आभार जताया है।

महाकाल के आंगन में जलती है पहली होली

होली का पर्व पूरे देशभर में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इसके साथ ही होली के एक दिन पहले होलिका दहन और उसकी पूजा की जाती है। होली के खास अवसर पर देशभर के मंदिरों में अलग अलग तरह की परंपराएं निभाई जाती है। होलिका दहन की शुरूआत उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर से की जाती है। दुनिया का पहला होलिका दहन यहीं होता है, इसके बाद ही पूरे देश में होलिका दहन और होली का त्योहार मनाया जाता है। होली पर्व का शास्त्रों में विशेष महत्व बताया गया है। होली पर्व पर विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करने से लाभ प्राप्त होता है। मान्यता है कि महाकाल के दरबार में होली पर्व पर विशेष तरह की पूजा अर्चना करने से दुख, दरिद्रता और संकट का नाश होता है। इसके अलावा कोर्ट कचहरी के मुकदमे, पारिवारिक कलह और आर्थिक परेशानी को भी दूर किया जा सकता है। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में विश्व में सबसे पहले होलिका दहन किया जाता है। यहां शाम की आरती के बाद होलिका दहन होता है। इसके लिए किसी प्रकार का विशेष मुहूर्त नहीं देखा जाता है। भगवान महाकाल के दरबार में सबसे पहले होलिका दहन होने के बाद दुनिया भर में होली का त्योहार मनाया जाता है। भगवान महाकाल को ब्रह्मांड का राजा माना जाता है। इसी वजह से सबसे पहले राजा के दरबार में त्योहार मनाया जाता है। देशभर के श्रद्धालु भगवान महाकाल के साथ होली खेलने के लिए उज्जैन पहुंचते हैं। भगवान के दरबार में लगा रंग जीवन में खुशहाली लेकर आता है।

पलवल की कोरड़ा मार होली

रंगों का पर्व 25 मार्च को मनाया जाएगा। मथुरा वृंदावन में तो होली शुरू भी हो चुकी है। हरियाणा में भी एक ऐसा जिला है, जहां होली से सप्ताह पहले ही तैयारियां शुरू कर दी जाती हैं। पलवल जिले के बंजारी गांव में 300 वर्षों से धूमधाम तरीके से होली खेली जा रही है। यहां की होली इतनी प्रसिद्ध है कि न केवल आसपास के गांवों से बल्कि अन्य जिलों के लोग भी इस गांव में पहुंचते हैं।

हरियाणा का दक्षिणी हिस्सा बृजभूमि की परंपरा को लिए पहचाना जाता है। इस बांगड़ क्षेत्र में होली खेलने का अनूठा अंदाज देखने को मिलता है। पलवल की होडल तहसील के अंतर्गत आने वाले इस बंजारी गांव में होली का पर्व अनोखे और अलग ढंग से मनाया जाता है। यहां की होली वृंदावन और बरसाना की होली से कम नहीं होती है। होली पर बंजारी गांव में हुरियारे और हुरियारिनों गायकों की अलग अलग टोलियां सजाई जाती हैं। महिलाओं की टोलियां गलियों में निकलती हैं। यहां पिछले 300 वर्षों से होली गायन, होली नृत्य और पिचकारियों से रंग की बौछारों के साथ साथ बलदाऊ मंदिर में पूजा की एक परंपरा चली आ रही है। इस गांव की खासियत यह है कि होली खेलने के लिए आने वाले लोगों के लिए खाने पीने की व्यवस्था भी ग्रामीणों की ओर से की जाती है। बांगड में हाथों में रंगों की जगह कपड़ों को ऐंठकर मोटे रस्से की तरह बनाया जाता है, जिन्हें स्थानीय भाषा में कोरड़ा कहा जाता है। भाभियां होली खेलने आए देवर को कोरड़े से मारती हैं। राज्य के अधिकतर जिलों में कोरड़ा मार होली ही खेली जाती है और देवरों को मार को चुप रहकर बर्दाश्त करना पड़ता है। युवक अपने बचाव के लिए लाठी डंडों का प्रयोग जरूर करते हैं, वे पलटवार नहीं करते, बल्कि बचाव में सिर्फ पानी फेंकते हैं। वहीं बाल्टी से महिलाओं की ओर से होने वाले वार को रोकने की भी कोशिश करते हैं।

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर (सेंट्रल) रूल्स 1956 के अंतर्गत **कारपेंटर्स न्यूज** पत्र के संबंध में स्वामित्व तथा अन्य विवरण विषयक जानकारी।

घोषणा

(फार्म -4)

1 - प्रकाशन का स्थान	:	306 दिघे नगर को. ऑप. हाऊसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिंस्टन (वेस्ट) मुंबई - 400 013
2 - प्रकाशन की अवधि	:	मासिक
3 - मुद्रक का नाम	:	गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	306 दिघे नगर को. ऑप. हाऊसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिंस्टन (वेस्ट) मुंबई - 400 013
4 - प्रकाशक का नाम	:	गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	306 दिघे नगर को. ऑप. हाऊसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिंस्टन (वेस्ट) मुंबई -400 013
5 - संपादक का नाम	:	गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	306 दिघे नगर को. ऑप. हाऊसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिंस्टन (वेस्ट) मुंबई - 400 013
6 - उन व्यक्तियों के नाम और पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों	:	गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा 306 दिघे नगर को. ऑप. हाऊसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिंस्टन (वेस्ट) मुंबई -400 013

मैं गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा घोषित करता हूँ कि मेरी जानकारी और विश्वास के मुताबिक ऊपर लिखित विवरण सही है।

स्थानः मुंबई
दिनांक : 10 मार्च 2024

हस्ताक्षर
(गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा)
प्रकाशक

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

देश भर में श्री विश्वकर्मा जयंती महोत्सव की धूम

सामाजिक संस्थाओं की ओर से समारोह का आयोजन

मुंबई। कारीगरों के आराध्य भगवान विश्वकर्मा की जयंती महोत्सव का आयोजन 22 फरवरी को विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की ओर से श्रद्धाभाव के साथ मनाई गई। विश्वकर्मीय लोहार सेवा संघ मुंबई की ओर से विश्वकर्मा जयंती उत्सव का आयोजन परेल (पूर्व) भोईवाड़ा स्थित राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ, महात्मा गांधी सभागृह की गई। सायं 4 बजे श्री विश्वकर्मा पूजन के बाद कार्यक्रम की शुरूआत हुई।

सांस्कृतिक कार्यक्रम अंतर्गत 'सांस्कृतिक कलेचा वारसा 2024' की प्रस्तुति हुई। इस अवसर पर सामाजिक कार्यों के लिए संस्था की ओर से प्रति वर्ष दिए जाने वाला सामाजिक लोहार भूषण पुरस्कार इस वर्ष विजय करंदेकर को दिया गया, जबकि मरणोत्तर लोहार भूषण पुरस्कार कै. प्रभाकर पौमेंडकर को दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथी उद्योगपति विनय कोळंबेकर, ज्ञानेश्वर ठमके, संस्था अध्यक्ष राजाराम काताळकर, सचिव प्रेम चरकरी, उपाध्यक्ष प्रवीण कातालकर, कोषाध्यक्ष सुहास चरकरी, सहसचिव महेंद्र पोमेंडकर, नितीन पानवलकर, जयेश कातालकर, निधी कोलंबेकर आदि सहित बड़ी संखय में लोग उपस्थित रहे। सांताक्रुज (पूर्व) कालीना स्थित विश्वकर्मा समिति कम्पाउंड में निर्मित श्री विश्वकर्मा मंदिर में विश्वकर्मा समिति मुंबई संस्था की ओर से श्री विश्वकर्मा जयंती उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माताजी की चौकी आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्री विश्वकर्मा वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से कांदिवली (पूर्व) स्थित हनुमान नगर में श्री विश्वकर्मा प्रकट महोत्सव मनाया गया। कुर्ला (पश्चिम) स्थित मसरानी लेन,हलाव पुल के विश्वकर्मा कम्पाउंड में श्री विश्वकर्मा कल्याण मंडल मुंबई संस्था की ओर से सार्वजनिक श्री विश्वकर्मा प्रकटोत्सव का आयोजन किया गया। सांताक्रुज (पूर्व) स्थित वाकोला में नवजीवन श्री विश्वकर्मा सेवा समिति की ओर से श्री विश्वकर्मा जयंती महोत्सव के अवसर पर सामाजिक सद्भावना मिलन अभियान बाइक रैली निकाली गई। अंधेरी (पूर्व) निकलावाड़ी रोड स्थित विश्वकर्मा चौक के पास श्री विश्वकर्मा मंदिर में भारतीय श्री विश्वकर्मा कल्याण समाज संस्था की ओर से विश्वकर्मा जयंती महोत्सव आयोजित की गयी। श्री विश्वकर्मा जनहित विकास मंच संस्था की ओर से नालासोपारा, तुलिंज रोड पर विश्वकर्मा प्रकट दिवस मनाया गया, इस अवसर पर 11 कुंडीय विराट विश्वकर्मा महायज्ञ का आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

रामगढिया फाउंडेशन ने कुलविंदर सिंह बंसल को किया सम्मानित

लुधियाना। रामगढ़िया फाउंडेशन के प्रधान रघबीर सिंह सोहल के नेतृत्व में कुलविंदर सिंह बांसल कार्यकारी सदस्य रामगढिया एसोसिएशन मुंबई को लुधियाना में सम्मानित किया। कुलविंदर सिंह बांसल मुंबई में फूजी एलेवेटर कंपनी लिमिटेड के सीईओ हैं, वह रामगढिया एसोसिएशन मुंबई के माध्यम से रामगढिया समुदाय की सेवा भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नांदेड़ में रामगढिया बुंगा की देखभाल के लिए रामगढिया एसोसिएशन मुंबई ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि नेटवर्किंग बहुत महत्वपूर्ण है, हमें भारत के रामगढिया एसोसिएशन की एक राष्ट्रीय स्तर की बैठक आयोजित करनी चाहिए। रामगढिया फाउंडेशन की टीम ने कुलविंदर सिंह बंसल को सम्मानित किया। इस अवसर पर रघबीर सिंह सोहल प्रधान रामगढ़िया फाउंडेशन, बलदेव सिंह अमर उप प्रधान, गुरमीत सिंह कुलार प्रधान सचिव, भूपिंदर सिंह सोहल वित्त सचिव, दिनेश सिंह भोगल सचिव रामगढिया फाउंडेशन,अवतार सिंह भोगल, श्री हरपाल सिंह भाम्बर, गुरमुख सिंह रूपल, सुखविंदर सिंह चाना, इंद्रजीत सिंह पनेसर, अमरप्रीत सिंह पनेसर, सोहन सिंह गोगा, यादविंदर सिंह मनकू, सुरिंदर सिंह, तजिंदर सिंह कलसी आदि उपस्थित रहे।

श्री विश्वकर्मा प्रकटोत्सव मनाया गया

अंबाला छावनी। श्री विश्वकर्मा मंदिर व धर्मशाला सभा अंबाला छावनी की ओर से श्री विश्वकर्मा मंदिर अंबाला छावनी में भगवान श्री विश्वकर्मा जी का प्रकट उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। माघ शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी 22 फरवरी को मनाए गए इस उत्सव के अंतर्गत 16 फरवरी से चल रही श्री विश्वकर्मा महापुराण की कथा का समापन और हवन हुआ। शाम को भजन संध्या का आयोजन के बाद रात्रि को प्रभु का अटूट भंडारा बरताया गया। कार्यक्रम में राजिंदर विज अध्यक्ष योगा फेडरेशन मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। रिटायर्ड एस पी फूल कुमार का परिवार इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहा। कार्यक्रम में कथा व भजन संध्या रमेश धीमान प्रभु संकीर्तन मंडल द्वारा की गई। इस अवसर पर श्री विश्वकर्मा मंदिर सभा कैथ माजरी के साथ अन्य सभाएं भी उपस्थित रही। कथा व हवन के यजमानों को श्री विश्वकर्मा मंदिर व धर्मशाला सभा अंबाला छावनी की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभा के चेयरमैन मेवाराम, प्रधान रविंदर धीमान, महासचिव सुनील धीमान, कोषाध्यक्ष राकेश धीमान, गुरमीत धीमान पूर्व प्रधान, हरिओम पूर्व चेयरमैन,

राजेश धीमान, जयचंद, तिलक, राकेश, दिनेश, मदन पाल व समस्त कार्यकारिणी सहित समाज के सभी गणमान्य लोगों के साथ भारी संख्या में विश्वकर्मा वंशी समाज व अन्य सभी समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच का संचालन विनोद कुमार धीमान ने किया।

फगवाड़ा में विश्वकर्मा जयंती की धूम

फगवाड़ा। शिरोमणि श्री विश्वकर्मा मंदिर बंगा रोड फगवाड़ा में भगवान श्री विश्वकर्मा जयंती महोत्सव श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया गया। सभा के प्रधान बलवंत राय धीमान और वाइस प्रधान गुरमुख सिंह नामधारी ने मेहमानों को सरोपा देकर सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता मुख्य अतिथि लक्की भंमरा फगवाड़ा ने की। झंडा फहराने की रस्म जसवंत राय धीमान फगवाड़ा वालों ने अदा की। स्टेज सैक्ट्री की सेवा वाइस प्रधान प्रदीप धीमान ने निभाई। लंगर की सेवा गुप्ता पैकरज फगवाड़ा की तरफ से की गई।

पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, जोगिंदर सिंह मान हलका इंचार्ज आम आदमी पार्टी, बलविंदर सिंह धालीवाल विधायक फगवाड़ा, फतेह जंग बाजवा उपाध्यक्ष भाजपा पंजाब, पूर्व मेयर अरुण खोसला फगवाड़ा और अन्य प्रमुख हस्तियां विशेष रूप से पहुंची और भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद प्राप्त किया। भगवान श्री विश्वकर्मा के शिरोमणि मंदिर

में श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल अस्पताल काफी समय से चल रहा है। मानवता की सेवा के लिए क्षेत्रवासियों की मांग पर अस्पताल ट्रस्ट शीघ्र ही 50 बिस्तरों वाला 24 घंटे का एमरजेंसी हॉस्पिटल शुरू करने जा रही है। श्री विश्वकर्मा धीमान सभा फगवाड़ा के उपाध्यक्ष सुरिंदर पाल धीमान, महासचिव गुरनाम सिंह जूतला, कैशियर सुभाष धीमान, सूरज धीमान, रमेश धीमान, जसपाल सिंह लाल, नछत्तर सिंह लाल, अरुण रूपराय, भूपिंदर सिंह जंडू, अमोलक सिंह झीता, अशोक धीमान, जगदेव सिंह कुन्दी, नरिन्दर सिंह भच्चू, नरिन्दर सिंह टट्टर, सुरिन्दर सिंह कलसी, धीरज धीमान, रविंदर सिंह पनेसर, पलविंदर विरदी, रीत प्रीत पाल सिंह भंमरा, हरजीत सिंह भंमरा, जगजीत सिंह लाल, विशाल भोगल, राजिंदर सिंह रूपराय, अंकुश धीमान, जगजीत सिंह चाना, मनजिंदर सिंह सीहरा व बलविंदर सिंह रतन के अलावा और मैंबर भी इस समागम में शामिल हुए। इस समागम में बड़ी संख्या में संगत भगवान श्री विश्वकर्मा के चरणों में नतमस्तक हुई।

शहीदों को मिले सम्मान - मुकेश खन्ना

जोबट। धारावाहिक महाभारत में भीष्म के रूप में घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाले मुकेश खन्ना क्रांतिकारियों को शहीद का दर्जा देने की मांग की है। शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली भाभरा गांव में 27 फरवरी को आयोजित आजाद के पुण्यतिथि पर श्रध्दांजलि देने पहुंचे मुकेश खन्ना ने कहा कि शहीद चंद्रशेखर आजाद को भारत रत्न दिया जाना चाहिए जिसके वे सबसे बड़े हकदार थे।

खन्ना ने कहा कि सभी क्रांतिकारियों को वह सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार थे। आजाद, राजगुरु, मंगल पांडेय, अशफाक उल्ला खां जैसे क्रांतिकारियों ने देश के लिए छोटी सी उम्र में जान दे दी। आज हम सब स्वतंत्रता की नींद सो रहे हैं लेकिन इनकी कुर्बानियों को भी याद रखा जाना चाहिए। उन्होंने सेना और पुलिस के लोगों के लिए भी शहीद का दर्जा देने की मांग करते हुए कहा कि इससे उन परिवारों को भी सम्मान मिलेगा। इस अवसर पर जयहिंद अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल सिंह, दीपक कुमार त्रिपाठी, जयहिंद अभियान संग्राम फाउंडेशन जोबट जिला अध्यक्ष घनश्याम पवांर सहित संस्था के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ की होरी

छत्तीसगढ़ में होली को होरी के नाम से जाना जाता है। इस पर्व पर लोक गीतों की परंपरा है। वसंत के आते ही छत्तीसगढ़ की गली-गली में नगाड़ों की थाप के साथ राधा-कृष्ण के प्रेम प्रसंग भरे गीत जन-जन के मुंह से बरबस फूटने लगते हैं। किसानों के घरों में होली से पहले ही नियमित रूप से हर दिन पकवान बनने की परंपरा शुरू हो जाती है, जिसे तेलई चढ़ना कहते हैं।

छत्तीसगढ में लड़कियां विवाह के बाद पहली होली अपने माता-पिता के गांव में ही मनाती है एवं होली के बाद अपने पति के गांव में जाती हैं। गांव के चौक-चौपाल में फाग के गीत होली के दिन सुबह से देर शाम तक निरंतर चलते हैं। रंग भरी पिचकारियों से बरसते रंगों एवं उड़ते गुलाल में मदमस्त छत्तीसगढ़ के लोग अपने फागुन महाराज को अगले वर्ष फिर से आने की न्योता देते हैं।

कारपेंटर भाइयों के लिए
स्पेशल ऑफर
MAHARASHTRA
EURO 7000 SYNTHETIC WOOD ADHESIVE

सिर्फ 70 पॉइंट पर पाइये
AMERICAN TOURISTER TWO WHEEL
DUFFLE BAG WORTH Rs. 3,800/-

Extreme3 Hi- Strong के
एक ड्रम पर पाइये 140 पॉइंट & Get 2 DUFFLE BAGS
AMERICAN TOURISTER TWO WHEEL
DUFFLE BAG WORTH Rs. 3,800/-

» ये ऑफर पाने के लिए "Euro7000 Digital" ऐप डाउनलोड करें और पॉइंट्स स्कैन करें।
Zubaan पक्के
SCAN KIJIYE
JYOTI RESINS & ADHESIVES LIMITED
www.euro7000.com

E3 EDGE BANDS
E3 PVC EDGE BAND TAPE
कारपेंटर भाइयों का
भरोसेमंद साथी,
E3 एजबैंड
दीमक रोधी
भारत में निर्मित
कोई भी माप, कोई भी रंग
100% सनमाइका मैच
+91 70251 70251 | info@e3panels.com | www.e3panels.com
DEALERS ENQUIRY SOLICITED FOR PAN INDIA

1ST INDIAN MANUFACTURER IN WORLD CLASS QUALITY

इंडिया वुड में कैनेडियन वुड का प्रदर्शन

बेंगलुरु। एशिया के अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के 13 वें संस्करण इंडिया वुड 2024 में कैनेडियन वुड ने अपनी पांच लकड़ी प्रजातियों का प्रदर्शन किया। 22 से 26 फरवरी 2024 तक अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित व्यापार मेले में दुनिया भर के प्रसिद्ध उद्योग विशेषज्ञों, वास्तुकारों और लकड़ी व्यवसाय से जुड़े लोगों ने इसमें भाग लिया। कैनेडियन वुड का स्टॉल करीब 130 वर्ग मीटर में बनाया गया था। प्रदर्शनी में लकड़ी के अनुप्रयोगों की एक विविध श्रृंखला प्रदर्शित की गई थी जो विभिन्न सेटिंग्स में जिम्मेदारी से प्राप्त लकड़ी की बहुमुखी प्रतिभा और स्थिरता को प्रदर्शित करती है। इसमें एक आउटडोर बालकनी के साथ उच्च-स्तरीय लक्जरी होटल रूम सुइट का डिजाइन किया गया मॉडल प्रस्तुत किया गया। यह लेआउट आकार डिजाइन कंसल्टेंट्स के प्रसिद्ध वास्तुकार गुरप्रीत सिंह द्वारा मैसूर के मास फर्नीचर और ब्रैम वुडक्राफ्टिंग, गोवा के जोसमो स्टूडियो जैसे प्रसिद्ध लकड़ी निमार्ताओं के सहयोग से तैयार किया गया था। ब्रिटिश कोलंबिया (बीसी),

कनाडा सरकार द्वारा वित्त पोषित एफआईआई इंडिया, अपनी सभी पांच प्रजातियों के लिए भारत में कनाडाई लकड़ी का प्रतिनिधित्व करता है। डगलस फिर, वेस्टर्न हेमलॉक, पीला देवदार, पश्चिमी लाल देवदार और स्पुस-पाइन-फिर (एसपीएफ)। एफआईआई इंडिया की टीम जागरूकता फैलाने, ब्रांड दृश्यता बनाने और भारतीय बाजार को प्रमाणित लकड़ी और अन्य लकड़ी के उत्पादों के बारे में स्थायी रूप से प्रबंधित जंगलों से शिक्षित करने में मदद करती है।

TJM/TTL/24/HIN

OZONE®
FOR A SAFER WORLD

किचन और फर्निचर फिटिंग्स

लोड ले सालों चले

हम सब संभाल लेंगे

अर्गोटेक स्लिम ड्रावर सिस्टम

अर्गोटेक स्टैंडर्ड ड्रावर सिस्टम

अन्डरमाउंट टेलीस्कोपिक चैनल

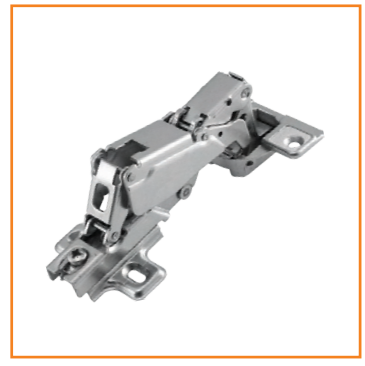
वाइड ओपनिंग कॉर्नर हिंजस

15 साल तक की वारंटी*

100 किलो तक वजन उठाने की क्षमता

सॉफ्ट क्लोज में उपलब्ध

50,000* साइकल्स टेस्टेड प्रोडक्ट्स

पूर्ण ओज़ोन प्रोडक्ट्स की जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

किचन फिटिंग्स की जानकारी के लिए, संपर्क करें: 09310012300

*नियम व शर्तें लागू.